YASHARJAN 2022, A GRAND CEREMONY

A chain of International Montfortian Institutions started its humble beginning in the city of Bhopal, Madhya Pradesh from April 1997 under the Delhi Province of Brothers of St. Gabriel to serve the people of the city through the institution highly dedicated to emulate the life and ideals of the founder St. Louis Marie De Montfort and through the assistance of Mother Mary.

To commemorate its 25 years of glorious existence, commitment and dedicated service to society, St. Montfort School, Bhopal observed this year as SILVER JUBILEE YEAR 2022 and organised a grand ceremony, **Yasharjan-2022** on 19th November 2022 in its senior school premises at 5 pm with its colourful, creative and captivating cultural programme presented by more than 2000 exuberant students of the school.

Celebration got bigger with the gracious presence of Rev. Bro. John Kallarackal, Superior General, Montfort Brothers of St. Gabriel, Rome, Italy as the Chief Guest; Most Rev. Dr. Alangaram Arokia Sebastian Durairaj SVD, Archbishop of Bhopal as the Guest of Honour; Rev. Bro. Thampy Alex, Provincial Superior, Montfort Brothers of St. Gabriel, Province of Delhi as the Special Guest and other esteemed dignitaries: Mr. Rajesh Chouksey (Corporator). All were welcomed warmly with tilak & badges and were escorted by the school band till program arena and offered a guard of honour as a token of gratitude towards them.

Along with the principal of the school, Rev. Bro. Monachan K.K. and acclaimed dignitaries started the magical & musical evening with the lighting of the lamp to invoke the divine blessings of the almighty followed by soulful prayer dance and cheerful welcome song for the august gathering of parents and all stake holders.

All the dignitaries, Former Principals, Vice Principals, Coordinators and Senior Teachers & Non-teaching staff who have completed 12 years of valuable service to the school were felicitated by a shawl and memento as a gesture of appreciation & recognition.

Cultural evening touched the new horizon with its thematical cultural program which witnessed some wonderful enactment by the students reflecting 25 years of meritorious journey and plethora of activities undertaken by the visionary leader of the school to accomplish the vision & mission of St. Louis-Marie Grignion de Montfort.

The Chief guest, Rev. Bro. John Kallarackal in his inspiring addressal congratulated the Principal, staff, students and all who are associated with the prestigious institution. He further reiterated that school is the best training ground for the students to discover, identify and develop their God-given talents, and to develop them to the full potential. Therefore, it should be the endeavor of every school to create conducive climate and to provide ample opportunities to the students to facilitate this process of self-discovery and self-actualization. That is why the

Montfortian Education Charter lays an extra emphasis on Human Rights Education and Environmental Education. He hopes & prays that St. Montfort's Sr. Sec. School, Bhopal, will continue to inspire and encourage generations of students to be physically fit, intellectually rounded, emotionally mature, spiritually oriented and socially responsible citizens of our country.

Program culminated to its end with the scintillating & vibrant grand finale, presented by 700 students which left the audience mesmerized followed by Jubilee song which raised the spirit of all the montfortians present there.

The principal of the school, Rev. Bro. Monachan K.K. proposed the vote of thanks wherein he acknowledged the kind presence of all the dignitaries; religious fraternity- Sisters & Brothers; the Principals of other schools and thanked all the stake holders whole heartedly to reach this milestone of achievement & excellence. He applauded the Core team of the program, all the teachers, students, non-teaching staff and all the people associated to it for their relentless hard work & commitment. He further sums up, "As we celebrate being 25 years young, our endeavour is to script a bigger & better story for the future."

Momentous program was concluded with the National Anthem and the audience & students dispersed with the memory of glorious institution known for its commitment & benevolence.

By Mr. KRISHNA KAPIL

ऐतिहासिक क्षण की तरह अंकित हुआ रजत जयंती समारोह 'यशार्जन–2022'

एक शैक्षिक संस्थान की नींव का विचार वाकई प्रेरणादायी होता है । जिसे 25 साल पहले एक पौधे के रूप में लगाया था । आज वह एक विशाल वृक्ष के रूप में विकसित होकर अपने यश की ध्वजा चारों ओर लहरा रहा है । अतंरराष्ट्रीय मोंटफोर्ट संस्थान की एक श्रृंखला मध्यप्रदेश के भोपाल शहर में अप्रैल 1997 से सेंट गेब्रियल ब्रदर्स के द्वारा संस्थापक सेंट लुइस मैरी डी मोंटफोर्ट और मदर मैरी की सहायता तथा आशीर्वाद से की ।

अपने गौरवशाली अस्तित्व, प्रतिबद्धता और समाज के लिए समर्पित सेवा के 25 वर्षों के उपलक्ष्य में 19 नवंबर 2022 सेंट मोंटफोर्ट स्कूल, पटेल नगर, भोपाल के परिसर में गौरवशाली रजत जयंती वर्ष का भव्य समारोह यशार्जन – 2022 बड़े हर्षोल्लास तथा धूमधाम से आयोजित किया गया । स्कूल के 2000 से अधिक उत्साही विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग, रचनात्मक और मनोरम सांस्कृतिक कार्यक्रम ने इस शाम को ऐतिहासिक बना दिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रद्धेय ब्रदर जॉन कलरिकल सुपीरियर जनरल मोंटफोर्ट ब्रदर ऑफ सेंट गेब्रियल,रोम, इटली, श्रद्धेय आर्चबिशप अलंगारम आरोकिया सेबेस्टिन दुरईराज एसबीडी आर्चबिशप भोपाल ,ब्रदर एलेक्स प्रोविंशियल सुपीरियर नई दिल्ली ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई । अन्य विशिष्ट अतिथियों के रूप में पार्षद श्रीमान राजेश चौकसे, पूर्व प्रोविंशियल , पूर्व प्राचार्य ,पूर्व उपप्राचार्य तथा पूर्व प्रधान अध्यापिकाएँ उपस्थित थे ।

विद्यालय प्राचार्य ब्रदर मोनाचन के. के. द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत तिलक और बैज़ लगाकर किया तथा सभी अतिथियों को स्कूल के बैंड द्वारा कार्यक्रम के मैदान तक ले जाया गया तथा उनके आभार के प्रतीक के रूप में गार्ड ऑफ आनर दिया गया।

इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वशक्तिमान प्रभु के आशीर्वाद तथा आह्वान के लिए दीप प्रज्ज्वलित कर स्वागत गीत तथा नृत्य के साथ हुआ। स्वागत नृत्य के द्वारा विद्यार्थियों ने रंगारंग तथा मनभावन प्रस्तुति दी।

किसी भी संस्था को स्थापित करने वाले सदस्य उस संस्था की नींव होते हैं तथा उनके प्रति कृतज्ञता उन्हें सम्मानित कर प्रकट की जाती है । कार्यक्रम को गति प्रदान करते हुए सम्मान समारोह आरंभ किया गया जिसमें सर्वप्रथम विद्यालय प्राचार्य ब्रदर मोनाचन के के द्वारा उपस्थित मुख्य अतिथियों को शाल तथा स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि श्रद्धेय ब्रदर जॉन कलरिकल द्वारा प्राचार्य ब्रदर मोनाचन को सम्मानित किया गया ।इस अवसर पर विगत कई वर्षों से संस्था को समर्पित शिक्षकवर्ग तथा गैर शिक्षक कर्मचारियों को भी शॉल तथा स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। जिन्होंने इस विद्यालय को अपने हुनर से तराशा तथा आज के स्वरूप तक पहुँचाने में अपना विशिष्ट योगदान दिया ।

तत्पश्चात एक नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई जिसमें सेंट लुइस मैरी डी मोंटफोर्ट के जीवन तथा आदर्शों के साथ विगत् 25 वर्षो के गौरवशाली इतिहास की झलकियाँ 11 दृश्यो के माध्यम से प्रस्तुत की गई।नृत्य नाटिका ने विद्यार्थियो को संत मोंटफोर्ट के दिखाए रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित किया । नृत्य नाटिका में विद्यार्थियों की आकर्षक प्रस्तुति ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया ।

समारोह के मुख्य अतिथि ने अपने संदेश में सभी को इस अवसर की शुभकामनाएँ देते हुए सभी विद्यार्थियों की भूरि–भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि सतत अभ्यास, उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्धता से विद्यालय सफलता के पथ पर अग्रसर है उन्होंने कहा कि विगत पच्चीस वर्षों की सफलता सामूहिक प्रयासों का परिणाम है सपनो की इस मशाल को आगे लेकर चलना है और विद्यालय को उत्कृष्टता के शिखर पर ले जाना है । विद्यार्थियों के लिए ईश्वर प्रदत्त प्रतिभाओं को खोजने, पहचानने और विकसित करने के लिए स्कूल सबसे अच्छा प्रशिक्षण मैदान है। इसलिए प्रत्येक स्कूल का यह प्रयास होना चाहिए कि अनुकूल माहौल तैयार करें जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो सके। यही कारण है कि मोंटफोर्ट मानव अधिकार तथा पर्यावरण शिक्षा पर अधिक जोर देता रहा है तथा छात्रों को शारीरिक रूप से फिट, बौद्धिक व भावनात्मक रूप से परिपक्व, अध्यात्मिक रूप से उन्मुख करता है। मोंटफोर्ट देश को समाजिक रूप से जिम्मेदार नागरिक बनाने के लिए प्रयासरत है और रहेगा।

कार्यक्रम का अंतिम पडाव ग्रैंड फिनाले रहा जिसमें विद्यालय के लगभग सात सौ विद्यार्थियों ने मंच पर एक साथ अद्भुत प्रस्तुति दी । ग्रैंड फिनाले में विद्यार्थियों की प्रस्तुति ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर झूमने पर मजबूर कर दिया ।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्राचार्य माननीय ब्रदर मोनाचन के. के. के द्वारा धन्यवाद भाषण दिया गया ।जिसमें उन्होंने कहा कि आज हमारे लिए गर्व व हर्ष का दिन है क्योंकि विद्यालय के इस गौरवपूर्ण स्वरूप को पाने में सब का प्रयास रहा है साथ ही उन्होंने आयोजन की प्रशंसा करते हुए सभी अतिथियों, शिक्षको, अभिभावकों , तथा बच्चों को कार्यक्रम की सफलता की बधाई दी ।उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में इसी तरह विद्यालय का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया ।कार्यक्रम का समापन जुबली गीत तथा राष्ट्रगान के साथ हुआ ।

श्रीमती बीनू चांदोलिया **प्राचार्य**